सरकार को कोई योजना नहीं भेजी है और न उनको १९६० से १९६३ तक कोई अनुदान दिया गया है । फिर भी राजस्थान सरकार से यह पूछा गया है कि क्या बीकानेर जिले में इस नाम का कोई संघ है और यदि है तो क्या राज्य सरकार ने उनको कोई सहायता दी है । सूचना उपलब्ध होने पर सभा की पटल पर रख दी जायेगी ।

Trans-Himalayan Highway

1740. Shri Maheswar Naik: Will the Minister of **Transport** be pleased to state:

(a) the progress of construction of the trans-Himalayan Highway connecting the three Himalayan States of Punjab, Himachal Pradesh and U.P.;

(b) the estimated cost of the project;

(c) the manner in which the cost is to be apportioned between the Centre and the States concerned; and

(d) when the Highway is likely to be completed?

The Minister of Shipping in the Ministry of Transport (Shri Raj Bahadur): (a) to (d). Presumably the Hon'ble Member is referring to the news item which appeared in some papers on the 25th August, 1963 indicating that a Trans-Himalayan Highway was being constructed by the Governments of Uttar Pradesh, Punjab and Himachal Pradesh connecting Badrinath in Uttar Pradesh with Shipki in Himachal Pradesh for the development of the backward areas of the Central Himalayan region. The news item further added that the project was to be financed by the Union Government.

The Government of India have not sponsored any such project nor have they any such scheme under consideration, although they are assisting the State Governments concerned to develop certain individual roads in this region to meet the local needs.

1158 (Ai) LSD—4.

उत्तर प्रदेश में उद्यान विकास

१७४१. श्री भक्त दर्शन : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उद्यान विकास के लिये १९६२-६३ में उत्तर प्रदेश की सरकार को कितना अनुदान व ऋण दिया गया ;

(ख) उस सहायता का वहां की राज्य सरकार ने कहां तक उपयोग किया ; और

(ग) १९६३-६४ में इस के लिये उत्तर प्रदेश सरकार को कितना अनुदान व ऋण देने का निश्चय किया गया है ?

खाद्य तथा कृषि मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) १९६२-६३ में उद्यान विकास के लिए उत्तर प्रदेश सरकार को ३,८८,४०० रुपये अनुदान के रूप में दिए गए । ऋण के रूप में कोई धन-राशि नहीं दी गई ।

(ख) १९६२-६३ में अनुदान के रूप में दी गई राशि में से राज्य सरकार ने ३,१०,१०६ रुपये का उपयोग किया ।

(ग) १९६३-६४ में अनुदान और ऋण के रूप में दी जाने वाली राशि नीचे दी गई हैं :—

अनुदान:	४,५५,७०० रुपये
ऋण: ,	कुछ नहीं ।

Agricultural Training in Mexico

1742. Shri Shree Narayan Das: Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Government of Mexico have offered to give free training in agriculture to Indians at its National University of Agriculture; and

(b) if so, the precise nature of the offer received?